दिनांक 6/05/2020 (Teaching of Social studies) अध्याय (1)

सामाजिक अध्ययन पाठ्यक्रम
(Social studies Curriculum)

शिक्षा के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की पूर्ति में पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे हमारी संस्थाओं की पाठ्यक्रम सम्बन्धी तथा पाठ्य-सहायक क्रियाएँ अर्थात् अध्ययन के कोर्स, शिक्षा के लक्ष्य, शिक्षण-विधियां आदि प्रतिबिम्बित होती हैं।

पाठ्यक्रम का अर्थ
(Meaning of Curriculum)

पाठ्यक्रम (curriculum) शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द 'क्यूरेरे' (currere) से हुई है, जिसका अर्थ है – दौड़ का मैदान (Race-Cours). इस प्रकार पाठ्यक्रम दौड़ का वह मैदान है, जिस पर छात्र लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये दौड़ता है। पाठ्यक्रम के अर्थ को और अधिक स्पष्ट करने के लिये कुछ विद्वानों, शिक्षाशास्त्रियों एवं आयोगों ने परिभाषायें प्रस्तुत की हैं –

पाठ्यक्रम की परिभाषाएं

① हेनरी, जे० ओटो के अनुसार, "पाठ्यक्रम वह साधन है, जिसके द्वारा हम बच्चों को शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के योग्य बनाने की आशा करते हैं।"

② रॉस का विचार, "पाठ्यक्रम में ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक क्रियाओं का सम्मिश्र सम्मिलित होता है। ज्ञानात्मक क्रियाओं में भाषा, साहित्य, गणित, विज्ञान, भूगोल एवं इतिहास सम्मिलित हैं। भावात्मक क्रियाओं में भाषा, संगीत, कला एवं कविता सम्मिलित हैं। क्रियात्मक क्रियाओं में वे क्रियायें सम्मिलित हैं

③ क्रो और क्रो का विचार — "पाठ्यक्रम में शिक्षार्थी के वे सभी अनुभव सम्मिलित हैं जिन्हें वह स्कूल के अन्दर या स्कूल के बाहर प्राप्त करता है और जिन्हें उसके मानसिक, शारीरिक, भावात्मक, सामाजिक आध्यात्मिक एवं नैतिक विकास के लिये बनाये गये कार्यक्रम में सम्मिलित किया जाता है।"

Scanned with CamScanner

(4) सैकण्डरी शिक्षा आयोग का विचार - "यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिये कि शिक्षा सम्बन्धी सर्वोच्च विचारधारा स्कूलों में पारम्परिक रूप से पढ़ाये जाने वाले शैक्षणिक विषयों को पाठ्यक्रम नहीं मानती। इसके अनुसार पाठ्यक्रम में वे सभी अनुभव सम्मिलित हैं जिन्हें विद्यार्थी स्कूल की बहुमुखी क्रियाओं - कक्षा में पुस्तकालय में, प्रयोगशाला में, वर्कशाप में खेल के मैदान में तथा छात्रों एवं अध्यापकों के कई अनौपचारिक सम्बन्धों से प्राप्त करता है। इस दृष्टिकोण से स्कूल का समूचा जीवन ही पाठ्यक्रम में आ जाता है जो विद्यार्थियों के जीवन को हर पक्ष से स्पर्श करता है और उनके व्यक्तित्व के सन्तुलित विकास में सहायता प्रदान करता है।"

(5) डीवी का विचार - "पाठ्यक्रम उन सभी वस्तुओं, विचारों एवं सिद्धान्तों के सदृश है जो एक कार्य के सरल एवं इच्छापूर्वक अनुसरण में साधन के रूप में प्रवेश करते हैं।"

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम की विशेषतायें (Characteristics of curriculum)

(1) अनुभवों की पूर्णता
(2) साध्य का साधन
(3) क्रियाओं की पूर्णता
(4) सम्पूर्ण स्कूल पर्यावरण
(5) सन्तुलित व्यक्तित्व का विकास
(6) जीवन प्रक्रिया
(7) गतिशील

सामाजिक अध्ययन पाठ्यक्रम का महत्व आवश्यकता अथवा उपयोगिता (Importance Need or utility of social studies Curriculum) →

निम्नलिखित बिन्दु सामाजिक अध्ययन पाठ्यक्रम का महत्व दर्शाते हैं—

(1) शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति
(2) सीमायें निश्चित करना

Scanned with CamScanner

(3) उचित अध्यापकों का मार्गदर्शन

(4) उचित विधियों का चयन

(5) ज्ञान की प्राप्ति

(6) नागरिकता का विकास

(7) चरित्र का विकास

(8) आवश्यकताओं की पूर्ति

(9) लोकतान्त्रिक मूल्यों का विकास

(10) व्यक्तित्व का विकास

MISS DOLI
(Asst. Professor)

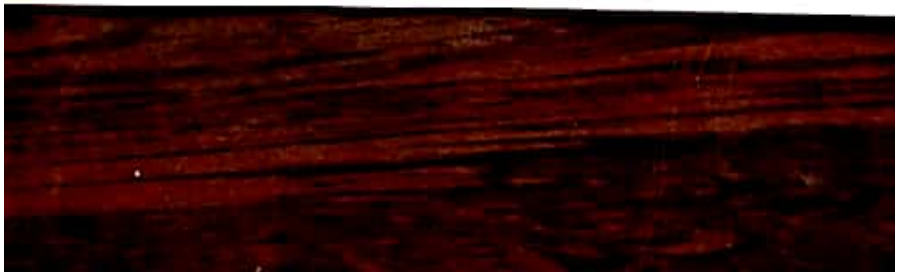

Scanned with CamScanner